भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)
11 अशोक रोड, नई दिल्ली–110001
दूरभाष–23382234 / 35 फैक्स– 23782163

दिनांक : अप्रैल 02, 2008

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह के भाषण के प्रमुख अंश

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय किसानों का आर्थिक विकास अवरूद्ध हो गया है, जिसका प्रमुख कारण कांग्रेस है। आज अमीर और गरीब की आय की विषमता बढ़ गई है। इस देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 25 से 26 प्रतिशत रहा है, जो घटकर 17 से 18 प्रतिशत हो गया है। यदि देश का विकास करना है तो गांव, गरीब और किसान का विकास करना होगा। क्योंकि किसान देश का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और ग्राहक है। यदि देश के 75 प्रतिशत किसान की जेब में पैसा आयेगा तो देश का काम सुचारू रूप से चलने लगेगा। किसानों की समस्या के समाधान के लिए ऐसी योजनाएं बननी चाहिए, जिससे देश का किसान पूर्ण विकास कर सके। उक्त बातें उन्होंने नई दिल्ली में किसान अदालत में कही।

भाजपा अध्यक्ष जी ने कहा कि ये बड़े दुख और गंभीर चिंता की बात है कि एक वर्ष के भीतर 17 हजार किसानों ने कर्ज के बोझ तले आत्महत्या कर ली। जिसमें सर्वाधिक आत्महत्या महाराष्ट्र के विदर्भ में हुई और अभी भी जारी है।

उन्होंने कहा कि किसानों का कर्ज पूरी तरह माफ होना चाहिए। वर्तमान बजट सत्र में 60 हजार करोड़ रूपये का किसानों का कर्ज माफ किया गया है, मगर पैसा कहां से आएगा इसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस कर्ज माफी का हिन्दुस्तान के 85 प्रतिशत किसानों को कोई लाभ नहीं मिल पाएगा। उनकी आवाज बुलंद करने के लिये देशभर में किसान अदालत लगेगी।

उन्होंने कहा कि देश के हर किसानों के परिवार में जिसकी आयु 60 वर्ष से ज्यादा हो ऐसे बुजुर्गों को पेंशन की सुविधा भी मिलनी चाहिए। किसानों को कर्ज दिया जाए, मगर 4 प्रतिशत से ज्यादा ब्याज नहीं लगना चाहिए। और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कर्ज देने के बाद एक वर्ष तक कोई ब्याज नहीं लगेगा, क्योंकि फसल एक वर्ष बाद तैयार होती है। किसान की पूरी जमीन बंधक नहीं रखी जानी चाहिए। केन्द्र सरकार को एनडीए सरकार के समय तैयार की गई **कृषि आमदनी बीमा योजना** को लागू किया जाना चाहिए। भाजपा अध्यक्ष ने दावे के साथ कहा कि एनडीए शासन के दौरान जो कृषि योजना बनाई गई थी अगर वह लागू हो जाए तो भारत 10 वर्ष में विकसित देशों के कगार पर पहुंच जाएगा।

उन्होंने विदर्भ के किसानों की आत्महत्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि किसानों के लिए 4 या 6 साल की योजना बनाने से कुछ नहीं होगा, बल्कि उनके लिए कोई विशेष एक्शन प्लान चलाया जाना चाहिए। जब संसद में रेल बजट पेश हो सकता है तो कृषि बजट क्यों नहीं पेश हो सकता। संसद में कृषि समस्या के समाधान के लिए अलग से सत्र बुलाया जाना चाहिए।

उन्होंने किसान नेता श्री महेन्द्र सिंह टिकैत के विरूद्ध की जा रही प्रड़ताड़ना की कारवाई की भर्त्सना की है। उन्होंने कहा कि श्री महेन्द्र सिंह टिकैत सम्मानित किसान नेता है और जन–भावना से जुड़े है। जब "श्री टिकैत ने स्वयं यह कहा है कि यदि उनके शब्दों से कोई आहत हुआ है तो वे इसे वापस लेते है मायावती बेटी के समान है"। इस भावना की कद्र करते हुए श्री टिकैत के विरूद्ध सभी कारवाही को रोकना चाहिए, भारतीय जनता पार्टी श्री टिकैत पर सभी मुकद्दमों को निरस्त करने की मांग करती है।

(श्याम जाजू)
कार्यालय प्रभारी